नाख़ून क्यों बढ़ते है ? (लेखक : हजारी प्रसाद द्विवेदी)

शब्दार्थ

शब्द	अर्थ	शब्द	अर्थ
अल्पज्ञ	कम जानने वाला	दयनीय	दया के योग्य
सेंध	चोरी के लिए दीवार में किया गया छेद	नखधर	नाख़ून वाला
अस्त्र	हथियार	वंचित	रहित
अवशेष	बचा हुआ	पाशवी	जानवरों जैसी भावना
जीवंत	जीते-जागते	विनोद	आनंद
विलासी	सुख-सुविधा से जीना	स्मृति	याद
निर्बोध	मासूम	मूढ़	मुर्ख
लोहा लेना	सामना करना,मुकाबला करना	आत्म पोषण	अपनी संतुष्टि करना
लुप्त होना	खत्म होना	अनायास	बिना प्रयास के
संयत	नियंत्रित	महिमा	महत्व
आडम्बर	ढोंग	मगंल	कल्याण
नि:शेष	कुछ भी शेष नही	दंतुल	दांतों के आकर का